डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रैस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का प्रवासी मंच कार्यक्रम
दिव्या माथुर ने प्रस्तुत कीं अपनी रचनाएँ

नई दिल्ली। 26 अप्रैल 2022; साहित्य अकादेमी के प्रतिष्ठित कार्यक्रम प्रवासी मंच में आज यूके से पधारी दिव्या माथुर ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। उनकी कहानी '2050' अलका सिन्हा ने अपनी आवाज में प्रस्तुत की। कहानी की विषय–वस्तु अमेरिका में बच्चे पैदा करने के लिए ली जाने वाली अनुमति और उससे जुड़े विभिन्न यांत्रिक मुद्दों से भावनाओं को ठेस पहुँचने जैसे विषय पर आधारित थी। इस काल्पनिक कहानी में दर्शाया गया था कि आने वाले समय में कोई भी राष्ट्र अपने यहाँ बच्चा पैदा करने के लिए विदेशी दंपती का स्वास्थ्य, पैसा, घर और पति–पत्नी की आईक्यू ही सबसे महत्त्वपूर्ण होगी। कहानी का संदेश था कि आने वाले समय में किसी भी राष्ट्र का लक्ष्य होगा कि उनके देश में न कोई गरीब होगा न कोई बीमार और न कोई बेकार। इसके बाद उन्होंने अपने स्वरचित कुछ छोटी कविताएँ और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं, जोकि एक स्त्री की मनोदशा पर बहुत संवेदनशील दृष्टि से लिखी गई थीं। 'मेरी ख़ामोशी' शीर्षक से अपनी कविता में उन्होंने खामोशी की तुलना गर्भाशय से की, जिसमें की एक झूठ पल रहा है। 'दायरे' कविता में उन्होंने एक स्त्री के यथास्थितिवादी जीवन का रूपक उस जानवर में प्रस्तुत किया जो बलवान होते हुए भी खास दायरे में चक्कर लगाता रहता है। उनके रचना–पाठ के बाद उपस्थित श्रोताओं अनिल जोशी, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, अलका सिन्हा, नारायण कुमार, विज्ञान व्रत, रमा पांडेय, रेखा सेठी, साधना अग्रवाल, नरेश शांडिल्य आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में ओम निश्चल, बी.एल. गौड़,, जितेंद्र सोनी, बलराम अग्रवाल आदि अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने दिव्या माथुर जी का स्वागत साहित्य अकादेमी की पुस्तकें भेंट करके किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी ने किया।

के. श्रीनिवासराव